रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 135] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 18, 2017/वैशाख 28, 1939
No. 135] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 18, 2017/VAISAKHA 28, 1939

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मई, 2017

सं. 3/1/2017—पब्लिक.— भारत सरकार अत्यन्त दुःखपूर्वक यह उद्घोषित करती है कि श्री अनिल माधव दवे, केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का 18 मई, 2017 को निधन हो गया है।

राजीव महर्षि, गृह सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th May, 2017

No. 3/1/2017-Public.—The Government of India announce, with profound sorrow, the death of Shri Anil Madhav Dave, Union Minister of State (Independent Charge) for Environment, Forest and Climate Change, Government of India on May 18th, 2017.

RAJIV MEHRISHI, Home Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मई, 2017

निधन सूचना

सं. 3/1/2017-पब्लिक.— राष्ट्र को आज नई दिल्ली में हुए श्री अनिल माधव दवे, केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के दु:खद एवं आकस्मिक निधन के बारे में जानकर अत्यधिक दु:ख हुआ है।

2. श्री अनिल माधव दवे का जन्म दिनांक 06.07.1956 को बड़नगर, जिला-उज्जैन, मध्य प्रदेश में श्रीमती पुष्पा और श्री माधव दवे के यहां हुआ था। श्री दवे ने वाणिज्य में स्नातकोत्तर की डिग्री गुजराती कॉलेज, इंदौर से ग्रामीण विकास और प्रबंधन विषय में प्राप्त की, जहां से इन्होंने जे पी आंदोलन से जुड़कर अपने राजनैतिक जीवन की भी शुरूवात की और वहां वे कॉलेज के अध्यक्ष के रूप में चुने गए। एन सी सी एयरविंग के कैडेट के रूप में इन्होंने शुरूवात में ही जहाज उड़ाना शुरू कर दिया था और बाद में एक लाइसेंसधारी पायलट बन गए।

3. वर्ष 2004 में, स्व-सहायता समूहों और गैर-सरकारी संगठनों को सहयोजित करने और सशक्त बनाने के लिए एक अम्ब्रेला संगठन ''जन अभियान परिषद'' की स्थापना की। इस संगठन के अंतर्गत वर्तमान में 25,000 से अधिक संगठन हैं। 'महाराजा शिव छत्रपति प्रतिष्ठान' के ट्रस्टी के रूप में, इन्होंने छत्रपति शिवाजी के जीवन पर 'जनता राजा' नामक ऐसे मेगा स्टेज प्ले का आयोजन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसका 1000 बार मंचन किया गया जिसमें वेम्बले लंदन में हुई प्रस्तुति भी शामिल है।

4. श्री अनिल माधव दवे हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में अनेक पुस्तकों के प्रखर लेखक थे। हिन्दी में लिखी गई उनकी पुस्तकों में *शिवाजी और सूरज, सृजन से विसर्जन तक, नर्मदा समग्र, समग्र ग्राम विकास, महानायक चन्द्रशेखर आजाद, संभल के रहना अपने घर में छुपे हुए गद्दारों से, शताब्दी के पांच काले पन्ने, रोटी और कमल की कहानी और अमरकंटक से अमरकंटक* तक शामिल हैं।

5. अंग्रेजी में इन्होंने '*बियोंड कॉपनहेगन*' और '*यस आई केन', सो केन वी* नामक पुस्तकें लिखी। इनकी पुस्तक शिवाजी और सूरज का अंग्रेजी, मराठी और मलयालम में भी अनुवाद किया गया। इन्होंने मासिक पत्रिका 'चरैवेति' और जन अभियान परिषद की पत्रिका का संपादन भी किया है।

6. श्री अनिल माधव दवे नदी संरक्षणवादी, पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता रहे हैं। इन्होंने नर्मदा नदी के ऊपर उद्गम स्थल से उसके मुहाने तक सेसना 173 (Cessna 173) उड़ाया और इन्होंने पूरी नर्मदा नदी पर 1312 किलोमीटर की रैफ्ट यात्रा भी पूरी की।

7. श्री अनिल माधव दवे राज्य सभा के लिए वर्ष 2009 में चुने गए थे और वे संसद की विभिन्न समितियों में भी रहे हैं जिनमें जल संसाधन संबंधी समिति और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति भी शामिल हैं। वे ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज संबंधी संसदीय फोरम के सदस्य भी थे। वे राज्य सभा के लिए वर्ष 2016 में पुन: निर्वाचित हुए और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बने।

8. श्री अनिल माधव दवे गरीबों और कमजोर वर्गों के प्रति अपनी समानुभूति के लिए एक जाने-माने सच्चे सामाजिक कार्यकर्त्ता थे। पर्यावरणविद के रूप में, इन्होंने नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए अथक रूप से कार्य किया।

9. श्री अनिल माधव दवे विनम्रता और निरहंकारता के प्रतीक थे। इन्होंने बड़ी ही विनम्रता और गरिमा के साथ अपने सार्वजनिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। अपनी वसीयत में उन्होंने कहा है कि उनके लिए कोई स्मारक न बनाया जाए, उनकी कोई मूर्ति न लगाई जाए और उनके पश्चात् उनके नाम से कोई प्रतियोगिता, पुरस्कार आदि न रखे जाएं। अपनी वसीयता में उन्होंने कहा है कि उनको याद करने का सर्वोत्तम तरीका यह होगा कि पेड लगा कर उसकी रक्षा की जाए, तथा नदी और जलाशयों का संरक्षण किया जाए।

10. श्री अनिल माधव दवे एक सच्चे राष्ट्रवादी थे और उनके निधन से राष्ट्र को एक प्रख्यात नेता और एक पुण्य आत्मा की क्षति हुई है। श्री अनिल माधव दवे द्वारा केन्द्र और राज्य स्तर के विभिन्न पदों पर रहते हुए दी गई सेवाओं की राष्ट्र सराहना करता है] और उनके दु:खद निधन से हुई क्षति पर अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है। पूरा राष्ट्र शोक-संतप्त परिवार के प्रति भी अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है।

राजीव महर्षि, गृह सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th May, 2017

OBITUARY

No. 3/1/2017-Public.—The nation learnt this morning, with profound sorrow, about the sad and sudden passing away of Shri Anil Madhav Dave, Union Minister of State (Independent Charge) for Environment, Forest and Climate Change, today in New Delhi.

2. Shri Anil Madhav Dave was born to Smt. Pushpa and Shri Madhav Dave at Barnagar, District Ujjain in Madhya Pradesh on 06.07.1956. He earned his Post Graduate Degree in Commerce with specialization in Rural Development & Management from Gujarati College, Indore, where he also began his political career in the JP Movement and was elected as college President. As a NCC Air Wing Cadet, he took to flying early, and later became a licensed pilot.

3. In 2004, Shri Dave founded the Jan Abhiyan Parishad, an umbrella organization to interlink & empower SHGs and NGOs. It now has more than 25,000 organizations under its umbrella. As trustee of the 'Maharaja Shiv Chhatrapati Pratishthan' he was instrumental in organizing the mega stage play 'Janata Raja' on the life of Chhatrapati Shivaji, which has been staged 1,000 times, including a performance at Wembley, London.

4. Shri Anil Madhav Dave was also a prolific writer, both in Hindi and English. His books in Hindi include *Shivaji and Suraj, Srijan Se Visarjan Tak, Narmada Samagra, Samagra Gram Vikas, Mahanayak Chandrashekhar Azad, Sambhal Ke Rehna Apne Ghar Mein Chhupe Hue Gaddaro Se, Shatabdi Ke Paanch Kale Panne, Roti Aur Kamal Ki Kahani and Amarkantak Se Amarkantak Tak*.

5. In English, he authored '*Beyond Copenhagen*' and '*Yes I Can, So Can We'*. His book 'Shivaji & Suraj' is translated and published in English, Marathi and Malayalam. He also edited the monthly magazine "Charaiveti" and JAP, Jan Abhiyan Parishad's Journal.

6. Shri Anil Madhav Dave has been a river conservationist, environmentalist and social worker. He was a trained pilot, who flew a Cessna 173 over river Narmada from source to mouth, and who also completed a 1312 Km raft journey along the entire length of the river.

7. Shri Anil Madhav Dave was elected to the Rajya Sabha in 2009 and has been on various Committees of Parliament including the Committee on Water Resources and the Consultative Committee for the Ministry of Information and Broadcasting. He was also a Member of Parliamentary Forum on Global Warming and Climate Change. He was re-elected to the Rajya Sabha in 2016 and became the Minister of State (Independent Charge) of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change.

8. Shri Anil Madhav Dave was a true social worker widely known for his empathy for poor and the under-privileged. As an environmentalist, he worked tirelessly for conservation of Narmada river.

9. Shri Anil Madhav Dave was the epitome of humility and self-effacement. He handled his public responsibilities with politeness and grace. In his will, he has asked that no monument be built for him, that no statue of him be installed, and that no competition, award etc. be named after him. He stated in the will that the best way to remember him was to plant a tree and protect it, and to conserve water bodies.

10. Shri Anil Madhav Dave was a true nationalist and in his passing away, the nation has lost an eminent leader and a noble soul. The nation places on record its appreciation of Shri Anil Madhav Dave's services in different capacities both at the State and National level and also expresses its deep sense of loss and grief on his tragic death. The entire nation extends its deep condolences to the bereaved family.

RAJIV MEHRISHI, Home Secy.

Uploaded by Dte.of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR Digitally signed by ALOK KUMAR
Date: 2017.05.19 12:10:24 +05'30'